

सम्पादकीय.....

बात है विश्वसनीयता की

सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के महज 48 घंटे पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त की हुई नियुक्ति विवादों में खिर गयी है। 17 फरवरी की देर रात यह नि-नियुक्ति की गयी। इस प्रक्रिया में सरकार, विपक्ष और चुनाव आयोग को विश्वसनीयता की कसौटी पर खरा उत्तरने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति द्वारा की गयी मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के मामले में सरकार पर नियम-कानूनों के दायरे से बाहर जाने का कोई आरोप नहीं है। बावजूद इसके बाद नियर्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं और विवादों से नहीं बचा जा सका, तो स्पष्ट है कि ऐसे संबंधनशील मामलों में नियम-कानूनों के पालन की रस्म अदायी है। हमेशा काफी नहीं होती। दरअसल, नियर्य ऐसे समय में आया, जब मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रक्रिया को चुनौती देनेवाली याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय की सुनवाई को 48 घंटे भी नहीं रह गये थे। तीन सदस्यीय नियुक्ति समिति के एक महत्वपूर्ण सदस्य के तौर पर नेता प्रतिपक्ष ने बैठक में इस तथ्य की ओर ध्यान दिलाते हुए नियर्य को स्थगित करने का प्रस्ताव भी रखा। लौकिक, प्रधानमंत्री और उनके द्वारा मनोनीत सदस्य गृहमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष की राय को दरकिनार करते हुए बहुमत से नियर्य कर अपनी सिफारिशों राष्ट्रपति के पास भेज दी। यद्यपि, सर्वोच्च न्यायालय ने नियुक्ति प्रक्रिया पर फिरी तरह की रोक नहीं लगायी थी। अतः, बहुत स्पष्ट है कि सरकार ने नियुक्ति को अंतिम रूप देकर अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण नहीं किया है। उसे इस नियर्य का अधिकार था। बावजूद इसके एक सवाल तो ही है कि व्या ऐसा करके सरकार ने अपने अधिकारों का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल सुनिश्चित किया है? दरअसल, यहां मूल प्रश्न है मुख्य चुनाव आयुक्त जैसे अत्यन्त महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया को अधिक से अधिक विश्वसनीय और विवाद रहित कैसे बनाया जाये। नियुक्ति समिति में देश के मुख्य न्यायाधीश के बदले कैबिनेट मंत्री को जगह देने से विपक्ष को बेशक एक मुद्दा भिल गया है, लेकिन सच्चाई यह है कि ऐसे सामलों में प्रक्रिया को एक हृद से अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता। अच्छी से अच्छी प्रक्रिया भी दुरुपयोग का शिकार हो सकती है। सर्वोच्च न्यायालय में इस मामले की सुनवाई 19 फरवरी को ही होनी थी। देखनेवाली बात होनी कि संदर्भ पर न्यायालय का रुख कैसा रहता है यहां समझनेवाली बात यह है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावों की विश्वसनीयता का सवाल जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही व्याप्ति है। ऐसे महज एक वर्ष की नियुक्ति विप्रिया तक सीमित मानना ठीक नहीं होगा। बहरहाल, तमाम रिश्तों को देखते हुए यही कहना मुनासिब जान पड़ता है कि सरकार और विपक्ष के साथ ही चुनाव आयोग को भी विश्वसनीयता और जिम्मेदारी की दृढ़ता कसौटी पर अपनी भूमिका को परखते हुए कदम आगे बढ़ा रहे।

● किसने क्या कहा



मोटापे की समस्या
गम्भीर, 10 प्रतिशत कम
करें खाद्य तेल का उपयोग

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

राष्ट्र निर्माण के लिए परम्परा
और तकनीक दोनों की
जरूरत



डॉ. एस. जयशंकर
विदेश मंत्री

लोककला के नाम पर अश्लीलता का तड़का

प्रियका सोरभ
पर्यावरण परिषद के नाम पर अश्लीलता परोसी जा रहा है, जो कि चिंतनीय व शर्मनक है। यह ने केवल इन परंपरागत शैलियों को धूम्रिल कर रहा है बल्कि विदेशी/वेस्टर्न के चबकर में हम अपनी पहचान से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया या यूट्यूब, फिल्म हो या टीवी के कार्यक्रम सभी जगह फूड़ नाच का नंगा प्रदर्शन किए जाने की परपरा ने जोर पकड़ लिया है। यूट्यूब और सोशल मीडिया पर रिल्स, गांवों, फिल्मों, कार्यक्रमों सबमें अश्लीलता के चबकर घर करती जा रही है कि आप अपने परिवार के साथ देख ही नहीं सकते और रही सही कसर अब नगे होकर रील बनाने वालों ने पूरी कर दी है। अधिकतर गांव, एलबम और सिनेमा अश्लीलता से भयरह रहे। आज के लोकगीत सुनने की ही बात कर लें तो उन

गानों के हर शब्द में अश्लीलता कूट-कूट कर भरा होता है। जब हम-आप परिवार के साथ मिलकर गान हीं सुन सकते तो वह जहां ही अंदोजा लगाया जा सकता है कि इन गानों के सीरों का जगह आप देखा होगा। ऊपर से अश्लीलता का कम्पीटिशन इस कदर होता जा रहा है कि एक से एक हिट एलबम, गाने बनते हैं। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इस कारोंगों के बालों को पूछ लिया जाता है तू है कि यह तो पूछ लगाएं। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। ऐसा न परोसें तो गान हिंदी ही होनी होगा। अब ऐसे कलाकारों को कौन समझाए कि अश्लीलता की शुरूआत तो फिल्मों व गानों के जरिए ही हमारे समाज में फैली। जिसे रोकने को करें तो इन गानों को पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

पूरा समाज दृष्टित होता जा रहा है। मन-मयादी सब छिन-भिन होता जा रहा है। यदि आज भी हम नहीं सचेत तो जो जने होमरे ही अंदोजा लगाया जा सकता है कि इन गानों के सीरों का जगह आप देखा होगा। ऊपर से अश्लीलता का कम्पीटिशन इस कदर होता जा रहा है कि एक से एक हिट एलबम, गाने बनते हैं। अश्लीलता को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इस कारोंगों के बालों को पूछ लिया जाता है तू है कि यह तो पूछ लगाएं। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। ऐसा न परोसें तो गान हिंदी ही होनी होगा। अब ऐसे कलाकारों को कौन समझाए कि अश्लीलता की शुरूआत तो फिल्मों व गानों के जरिए ही हमारे समाज में फैली। जिसे रोकने को करें तो इन गानों को पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यहां के इस नियर्य को कांसो-सीधी संवेदनों के बालों को जगह आप देखा होगा। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इस कारोंगों के बालों को पूछ लिया जाता है तू है कि यह तो पूछ लगाएं। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यहां के इस नियर्य को कांसो-सीधी संवेदनों के बालों को जगह आप देखा होगा। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यहां के इस नियर्य को कांसो-सीधी संवेदनों के बालों को जगह आप देखा होगा। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यहां के इस नियर्य को कांसो-सीधी संवेदनों के बालों को जगह आप देखा होगा। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यहां के इस नियर्य को कांसो-सीधी संवेदनों के बालों को जगह आप देखा होगा। यहां वार्षिक एक वर्ष के बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा। जनता वाही सब देखना पसंद करती है। अश्लीलता को देखाने का होड़ इस कदर है कि मत पूछिए। इसके बालों को जगह आप देखा होगा।

सकता है कि इन्टरनेट के विस्तार और मोटोटाइजेशन ने ऐसी सामग्री को बढ़ावा दिया है जो बहुत ज्यादा देखी जा रही है लेकिन मानवीय संवेदनों पर उसने घातक प्रहर की दिशा में देखा होगा। यह

एक इलाके

साहिबगंज और
भागलपुर स्टेशन के बीच
चलायी जायेगी यात्रा देने

भागलपुर : यात्रियों की
अतिरिक्त भीड़ को कम करने के
लिए 24 फरवरी को साहिबगंज
और भागलपुर स्टेशन के बीच
एक विशेष यात्रा देन वाली
जाएगी। गाड़ी संख्या 03405
साहिबगंज - भागलपुर स्पेशल
ट्रेन 24 फरवरी को 08.00 बजे
साहिबगंज से रवाना होगी और
10.00 बजे भागलपुर पहुंचेगी
और उसी दिन 03406

भागलपुर - साहिबगंज स्पेशल
ट्रेन 24 फरवरी को 16.05 बजे
भागलपुर से रवाना होगी और
18.35 बजे साहिबगंज पहुंचेगी।
यह विशेष रेलगाड़ी दोनों
दिशाओं में मार्ग में सभी स्टेशनों
पर रुकेगी। इस रेलगाड़ी में
अनारक्षित डिब्बे होंगे।

बाइक सवार बदमाशों ने

व्यवसायी से छीने 25 हजार
मुजफ्फरपुर : जिले में सरेया
थाना क्षेत्र के स्पना में रविवार
की सुबह मछली कारोबारी मैट्ट
सहनी से अपारी बाइक सवार
दो अज्ञात बदमाशों ने आतरेटक
कर मिर्ची पाउडर और इकॉक
25 हजार रुपये के थांग छीन लिया
और भाग निकले। सुवाना
मिलने पर पुलिस पहुंचकर जांच
पड़ताल शुरू कर दी है। घटना
की जानकारी के बाद खुद
सरेया सीडीपीओ और चंदन
घटना स्थल पहुंचे। घटना के बारे
में आसपास के लोगों से पूरी
जानकारी ली और आसपास लगे
सीरीसीटी एवं ऊपर स्थान के माध्यम
से रुपये बदमाशों की गिरावंती
के लिए जुट गए हैं। मामले में
पूछे जाने पर सीडीपीओ कुमार
चंदन ने कहा कि मछली का
कारोबार करते हैं मृदू सहनी
उन्हीं के साथ अज्ञात अपारी
बाइक सवार बदमाशों ने मिर्ची
पाउडर आंखें इकॉक कर
25,000 कैश छीन लिया।

पुलिस अपना काम शुरू कर दी
है बहुत जल्द घटना करने वाले
बदमाश सलाखों के पैठे होंगे।

स्वामी सहजानंद

सरस्वती की मनी जयंती
पूर्वी चंपारण : जिला मुख्यालय
मातिहारी शहर स्थित भूमिहार
ब्राह्मण छावास के राय
हरिशंकर शर्मा सभागार में
रविवार को रात चुनून देव शर्मा
की अध्यक्षता में महान किसान
नेता दंडी स्वामी सहजानंद
सरस्वती की 137 जयंती मनाई
गई। मौके पर उपस्थित सैकड़ों
लोगों ने स्वामी सहजानंद
सरस्वती के तैलिय चित्र पर
पृष्ठ अर्पित किया। इस अवसर
पर पूर्वी राकेश मिश्र ने कहा
कि दंडी स्वामी सहजानंद
सरस्वती महान खत्मत्रता
सेनानी एवं किसानों के प्रणेता
थे, उन्होंने हमेसे उनके
नेतृत्व में ही बिहार में जमीदारी
उन्मूलन की नींव रखी गई
थी, जिसे प्रथम मुख्यमंत्री डा. श्री
कृष्ण रिंग ने साकार किया।
इस अवसर पर दर्जनों लोगों ने
स्वामी जी के कृतित्वों और
व्यक्तिगत प्रकाश डालते हुए
उनके जीवन से सीख लेने पर
जोर दिया।

जैविक कृषि आधारित

उत्पादन प्रदर्शनी सह
किसान मेला का आयोजन
नवादा : नवादा जिले के
कौआकोल में नवसतियों का
मानद कहने जाने वाले कौआकोल
थाना क्षेत्र के महूर चंपायत
अंगरक्त करमाटोंग गांव में
रविवार को डी.ओ.एस.एस.
की वित्ती सहायता से ग्राम
निर्माण मंडल सर्वोच्च अधिक
सोसायेटी के बैरें तले जैविक
कृषि आधारित उत्पादन प्रदर्शनी
सह किसान मेला का आयोजन
किया गया। स्थानीय ग्रामीणों के
अनुसार इस तरह का भव्य
कार्यक्रम केंद्रीय वित्ती सहायता
परियोजना के लिए वित्ती सहायता
प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अस्तु कुमार हैं
और उनकी माता डा. सरिता तिवारी हैं
जो कि मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी

सोसायेटी के बैरें तले जैविक
कृषि आधारित उत्पादन प्रदर्शनी
सह किसान मेला का आयोजन
किया गया। स्थानीय ग्रामीणों के
अनुसार इस तरह का भव्य
कार्यक्रम केंद्रीय वित्ती सहायता
परियोजना के लिए वित्ती सहायता
प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अस्तु कुमार हैं
और उनकी माता डा. सरिता तिवारी हैं
जो कि मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी

बिहार/झारखंड

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे एलाइनमेट तैयार : सांसद



प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी। सांसद ने बताया कि इस सड़क के बाने से लोगों को बहुत सूलियत रखिए। बायो चार्च देखने में उत्तर रेलवार की अपेक्षा निज आवास पर आयोजित प्रेस बार्ट के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में बदलकर दिव्यवारा से डगलूआ तक 282 किलोमीटर किया गया लेकिन पटना पूर्णिया एक्सप्रेसवे का एलाइनमेट 244.93 किलोमीटर फाइलन किया गया है, जिसकी बातों के दौरान मीडिया कर्मियों को जानकारी दी।

प्रारूप बनाया गया था जिसे बाद में

